पंजाब केसरी–01.03.2014

एमटीएनएल का बीएसएनएल में विलय का विरोध

महाप्रबंधक कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते बीएसएनएल के अधिकारी। (छाया: पंजाब केसरी)

अजमेर,(कासं): एमटीएनएल का बीएसएनएल में विलय किए जाने के विरोध में शुक्रवार को बीएसएनएल अधिकारी एवं कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति की ओर से प्रदर्शन किया गया। समिति के आह्वान पर अधिकारी और कर्मचारी भोजन अवकाश में बीएसएनएल के स्थानीय महाप्रबंधक कार्यालय के बाहर जमा हुए और जोरदार प्रदर्शन किया।

समिति के संयोजक वी.पी.शर्मा, जी.एस.छाबड़ा आदि ने कहा कि सरकार अविवेकपूर्ण तरीके से विलय कर रही है। सरकार को पहले एमटीएनएल के कार्ड की भरपाई और स्वार्थों के खातिर एटीएनएल का घाटा बीएसएनएल पर डाल रही है। यदि सरकार ने अपना फैसला नहीं बदला तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

संत हरनामदास का वार्षिक उत्सव आज से

अजमेर,(विनीत लोहिया): देहली गेट स्थित माता ज्ञान ज्योति उदासीन आश्रम के संस्थापक संत हरनाम दास का 55वां तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव शनिवार एक मार्च से मनाया जाएगा। सचिव रमेश लालवानी के अनुसार इस कार्यक्रम में गीता पाठ, गुरुग्रंथ साहिब का

दैनिक भास्कर–01.03.2014

बीएसएनएल कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

अजमेर। बीएसएनएल कर्मचारी एवं अधिकारी संयुक्त संघर्ष समिति की ओर से राष्ट्रीय आह्वान पर शुक्रवार को जीएम दफ्तर के मुख्य गेट पर भोजनावकाश के दौरान प्रदर्शन किया। संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक वीपी शर्मा ने बताया कि सरकार ने एमटीएनएल को बीएसएनएल में विलय करने का एकतरफा निर्णय लिया है। इसमें यूनियन पदाधिकारियों को विश्वास में नहीं लिया गया।

दैनिक नवज्योति–01.03.2014

बीएसएनएल के कर्मचारी प्रदर्शन करते हुए। -बालकिशन झा

बीएसएनएल कर्मियों ने किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता/अजमेर

एम.टी.एन.एल. का बी.एस.एन.एल. में विलय की कवायद के विरोध में बीएसएनएल कर्मचारी एवं अधिकारी संयुक्त संघर्ष समिति ने शुक्रवार को दोपहर भोजनावकाश के दौरान सावित्री कॉलेज चौराहे के पास स्थित महाप्रबंधक कार्यालय के बाहर नारेबाजी एवं प्रदर्शन कर विरोध जताया। जोइंट फोरम के संयोजक वी.पी. शर्मा के मुताबिक फोरम की ओर से प्रधानमंत्री को ज्ञापन दे कर मांग की गई है कि बी.एस.एन.एल. में विलय से पहले एम.टी.एन.एल. पर जो कर्ज है, उसकी भरपाई की व्यवस्था स्वयं करे।

इसके अलावा बाजार में बेचे गए एम.टी.एन.एल. के 46 प्रतिशत शेयर सरकार वापस खरीदे। वहीं कर्मचारियों के पेंशन, वेतनमान तथा अन्य परेशानियों का समाधान भी किया जाए। इसके अलावा एम.टी.एन.एल. का बी.एस.एन.एल. में विलय कर्मचारियों व अधिकारियों को विश्वास में लेने के बाद ही किया जाए।